

BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

SUBJECT:- SANSKRIT

विषय: - व्याकर्णम्	
उपविषय: - ठयञ्जनमान्यः	स्था सम्बत
Distriction of the distriction o	
dill H 41 (1)	
कॉपी में करें। क्रियम - किसी पढ के अन्त में ठयञ्चन हो तथा व्यसे पढ़ के मर्म => नियम - किसी पढ़ के अन्त में ठयञ्चन हो तथा व्यसे पढ़ के मर्म	
नियम किसी पद के अन्त में ठयन्त्रन हा तथा यूसर में ठयन्त्रन अथवा स्वर हो तो ठयन्त्रन में होने वाले परिवर्तन को ठयन्त्रन सन्धि कहते हैं जिल्हा - ज्यान + डिया	
10011 01 012-510	
	0549
1 वर्गीयप्रधमवर्णस्य तृतीयवर्णे परिवर्तन	H =
1 वर्गायप्रथमवर्ण पूर्ववर्ण	र्वार्वन न
उत्तरमा रहा है।	ج خ وار
क्षा नियमित्र मा स्त्रिय	(ति च्रे जे जे
1/11/01/51/5	3, 2, 3
2 est a of	
٦ ١٠,٠٠,٠٠	प्रावा विसी भी
अर्थात् वर्गीय प्रथम वर्ण के वाद कोई भी खर हो अथवा विसी भी	
अर्थात् वर्गीय प्रथम वर्ण के वाद कोई भी खर हो अथवा राजा का ना का विकार कोई भी खर हो अथवा राजा का ना का	
वरी की तृतीय, जाउ	य में तथा प् - ज्यानिया अप् + जी = अवनी
में च - ज म , ज्या की श	dlat (31): chercan,
उदाहरण - अगत्र	
7703104	T. 1 Gille 4 2201
6धामामात् + उपनायते -	12 सत् + आन्द्राम् -
अचिरात् + स्व	13 चेलात् + अमिति -
यामत् + द्यानम् -	प्रियात् + जीवत -
वस्मात्र अद्भा -	हि क्यात् म्यापत
(- child + Sal! -	वियात + अस्तिम्
6 Tad + 34 at 1.	1 1 24
7 - 7 - 7 - 7	1 day d + Salain
1141d + 311Ld1111 -	मानुवार् + आप -
0 1 1 + 3116	३० कारित + इयम् -
१० तर् म विनम् -	
V .	· ·